बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ दिनांक -09 -03 - 2021

विषय -हिन्दी विषय शिक्षक -पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों तद्भव एवं तत्सम के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे ।

तत्सम दो शब्दों से मिलकर बना है – तत + सम जिसका अर्थ होता है 'ज्यों का त्यों'। तत्सम शब्द ऐसे शब्द होते हैं, जिन्हें संस्कृत भाषा से सीधे बिना किसी परिवर्तन के हिंदी भाषा में शामिल कर लिया गया है। तत्सम शब्दों की ध्वनि हिंदी भाषा में ठीक वैसी ही रहती है जैसी की संस्कृत में। **जैसे** :- हिंदी, बांग्ला, मराठी, गुजराती, पंजाबी आदि।

तद्भव शब्द

समय और परिस्थिति की वजह से तत्सम शब्दों में जो परिवर्तन हुए हैं उन्हें तद्भव शब्द कहते हैं। संस्कृत के जो शब्द प्राकृत, अपभ्रंश, पुरानी हिन्दी आदि से गुजरने के कारण आज परिवर्तित रूप में मिलते हैं, वे तद्भव शब्द कहलाते हैं।
'तद्भव' (तत् + भव) शब्द का अर्थ है – 'उससे होना' अर्थात् संस्कृत शब्दों को थोड़ा परिवर्तित करकर बने शब्द।

तत्सम और तद्भव शब्दों को पहचानने और याद करने की ट्रिक और नियम

यहां हम आपको तत्सम और तद्भव शब्दों को पहचानने के कुछ महत्वपूर्ण नियम और ट्रिक बताने जा रहे हैं जिनके माध्यम से आप तत्सम और तद्भव शब्द को आसानी से याद रख पाएंगे।

तत्सम शब्दों के अंत में ‘क्ष’ वर्ण आता है वहीं उसके तद्भव रूप में ‘क्ष’ स्थान में ‘ख’ या ‘छ’ वर्ण का प्रयोग होता है।

• तत्सम शब्दों में जहां पर ‘श्र’ का प्रयोग होता है वहीं तद्भव शब्द में ‘श्र’ की जगह ‘स’ का प्रयोग होता है।

तत्सम शब्दों में जहां पर ‘व’ का प्रयोग होता है वहीं तद्भव शब्द में ‘व’ की जगह ‘ब’ का प्रयोग होता है।

• तत्सम शब्दों में ‘ष’ वर्ण का प्रयोग किया जाता है।

तत्सम शब्दों में ‘ऋ’ की मात्रा का प्रयोग होता है। वहीं तद्भव शब्दों में ‘र’ की मात्रा का प्रयोग किया जाता है।

तत्सम और तद्भव शब्द के उदाहरण

तत्सम	**तद्भव**
पुष्कर	पोखर
गर्दभ	गधा
पाषाण	पाहन
चक	चाक
वधू	बहू
अर्द्ध	आधा
उच्छवास	उसास

प्रहर	पहर
कंटक	काँटा
अग्नि	आग
बली वर्द	बींट
घोटक	घोड़ा